FORM No. III
फर्द अहकाम
(नियम 26)

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) एवं सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) भीलवाड़ा

प्रकरण संख्या – 367/2018
किस्म मुकदमा – प्रतिकर निर्धारण

उनवान

1.	परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भीलवाड़ा	बनाम	1.	श्री मदनलाल पुत्र गणेशलाल जोशी, निवासी माण्ड़ल, तहसील माण्ड़ल, जिला भीलवाड़ा	
	——प्रार्थी			——विपक्षी	

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 79 के छः:लेन निर्माण/चौडाकरण हेतु अवार्ड अन्तर्गत धारा 3G राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अवाप्ति अधिनियम, 1956 एवं Section 24 of RFCTLARR Act, 2013 to Acquisition Under NH Act, 1956 के अन्तर्गत प्रतिकर निर्धारण

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम, जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
31.12.2018	:: आदेश :: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 79 के छः लेन निर्माण/चौड़ाकरण के लिए अतिरिक्त भूमि अवाप्ति हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अवाप्ति अधिनियम, 1956 की धारा **3 A (1)** के अन्तर्गत अधिसूचना **दिनांक 31/01/2018** को प्रकाशित की गयीं, जिसका प्रकाशन दो स्थानीय समाचार पत्रो में **दिनांक 24/02/2018** को किया गया। इसके उपरान्त विहित अधिनियम की धारा **3 D (1)** के अन्तर्गत अधिसूचना **दिनांक 14/08/2018** को प्रकाशित की गयीं, जिसका प्रकाशन दो स्थानीय समाचार पत्रो में **दिनांक 15/09/2018** को किया गया। सूचना प्रकाशन होने के उपरान्त विहित अधिनियम की धारा **3 D (2)** के अनुसार अवाप्ताधीन भूमि समस्त भारो से मुक्त होकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भारत सरकार में निहित हो चुकी है। परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भीलवाड़ा ने पंत्राकः 4925 दिनांक 27/11/2018 के कम में विहित अधिनियम के तहत धारा **3D** में अधिसूचित अवाप्ताधीन भूमि का प्रतिकर निर्धारण किया जाना हैं। परियोजना निदेशक से प्राप्त पत्र को दृष्टिगत रखते हुए विहित अधिनियम की धारा **3D** के अन्तर्गत प्रकाशित अधिसूचना का अवलोकन किया गया। अधिसूचना के अनुसार विपक्षी के खाते मे अंकित **ग्राम गुढ़ा की आराजी नम्बर 550 में से 0.0045 हेक्टयर** भू–भाग अवाप्त किया गया हैं। **तहसीलदार माण्ड़ल** से अवाप्ताधीन भूमि का सत्यापन प्रतिवेदन एवं जमाबन्दी की प्रति प्राप्त की गई। अवाप्ताधीन भूमि की **DLC** दर उप पंजीयक **माण्ड़ल** से प्राप्त की गयीं। पत्रावली का अवलोकन किया **ग्राम गुढ़ा** की **आराजी नं0 550 किस्म गै0मु0 आवासीय का कुल रकबा 00.00.15 बीघा अर्थात 94.80 वर्ग मीटर ही हैं।** राष्ट्रीय भूमि अवाप्ति अधिनियम 1956 की धारा 3D अधिसूचना दिनांक 9/5/2017 से उक्त आराजी में से 50 वर्ग मीटर भूमि पूर्व में प्रकरण संख्या 287/2017 अवार्ड दिनांक 04/09/2017 से अवाप्त की जा चुकी है। इस प्रकार आराजी नं0 550 में हितबद्धधारी की 0.004480 हैक्टयर अर्थात 44.80 वर्ग मीटर भूमि ही शेष हैं। **अतः आराजी नं0 550 में से 0.004480 हैक्टयर अर्थात 44.80 वर्ग मीटर** भूमि के प्रतिकर का निर्धारण करने के आदेश दिये जाते हैं।	

अति० जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन)
एवं सक्षम अधिकारी (भूमि अवाप्ति)
भीलवाड़ा

राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अवाप्ति अधिनियम, 1956 की धारा **3 G (1) (7)** में प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए नवीन भूमि अर्जन पुनःर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसार अवाप्ताधीन भूमि का निम्नानुसार प्रतिकर निर्धारण किया जाता है तथा हितबद्ध व्यक्ति/खातेदार को भुगतान करने के आदेश दिये जाते हैं –

क0सं0	विवरण	विवरण/प्रतिकर राशि
1	आराजी नं0 (ग्राम गुढ़ा)	550
2	अवाप्ताधीन रकबा	0.004480 हैक्टयर अर्थात 44.80 वर्ग मीटर
3	किस्म भूमि	गै0मु0आवासीय
4	हितबद्ध खातेदार	श्री मदनलाल पुत्र गणेशलाल जोशी, निवासी माण्डल
5	दिनांक 31.01.2018 को **DLC** दर (प्रति फीट)	420– रूपये
6	दिनांक 31.01.2018 को **DLC** दर (प्रति वर्गमीटर)	4519.20– रूपये
7	**PWD** के अनुसार ग्राम **गुढ़ा** की शहरी सीमा से स्थित दूरी	6.30 किमी
8	कृषि भूमि की प्रतिकर राशि (क्षेत्र **X** दर)	2,02,460– रूपये
9	राज्य सरकार द्वारा निर्धारित फेक्टर दूरी **00–10** किमी पर देय कारक **1.25** गुणा की दर से राशि	2,53,075– रूपये
10	अधिकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा तैयार मूल्यांकन प्रतिवेदन अनुसार स्थायी संरचना का मूल्य	**Nil**
11	योग **(9+10)**	2,53,075– रूपये
12	सोलिशियम (तोषण) राशि (100 प्रतिशत) कॉलम नं0 11 अंकित राशि का	2,53,075– रूपये
13	दिनांक **31.01.2018 से 31.12.2018** तक कुल 334 दिवस का ब्याज (12 प्रतिशत से)	22,231– रूपये
14	कुल मुआवजा राशि कॉलम नं0 **(11+12+13)**	5,28,381– रूपये
15	कुल प्रतिकर राशि पर 10 प्रतिशत की दर से आयकर **(TDS)** कटौती	52,838– रूपये
16	हितबद्व खातेदार को भुगतान की जाने वाली राशि	4,75,543– रूपये
	अक्षरे – चार लाख पिचेतर हजार पांच सौ तियालीस रूपये मात्र	

अवाप्त भूमि का अवार्ड़ जारी किया जावे। प्रार्थी परियोजना निदेशक अवार्ड़ अनुसार प्रतिकर राशि तत्काल इस न्यायालय के बैंक अकाउन्ट में जमा कराना सुनिश्चित करेगें। विलम्ब के लिए प्रार्थी परियोजना निदेशक जिम्मेदार होगें। अवार्ड़ की प्रति प्रार्थी परियोजना निदेशक, तहसीलदार एवं हितबद्व व्यक्ति/खातेदार को प्रेषित की जावे। तहसीलदार हितबद्व व्यक्ति/खातेदार से सम्पर्क कर प्रतिकर भुगतान पत्रादि प्रस्तुत करावे। अवाप्तशुदा भूमि को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पक्ष मे राजस्व अधिकार अभिलेख मे अंकन किया जावे तथा भूमि का कब्जा परियोजना निदेशक को सुपुर्द किया जावे।

पत्रावली बाद दाखला रजिस्टर के नम्बर से कम होकर फैसल शुमार की जावे।

(एल0आर0 मुगावाल)
अति0 जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन)
एवं सक्षम अधिकारी (भूमि अवाप्ति)
भीलवाड़ा